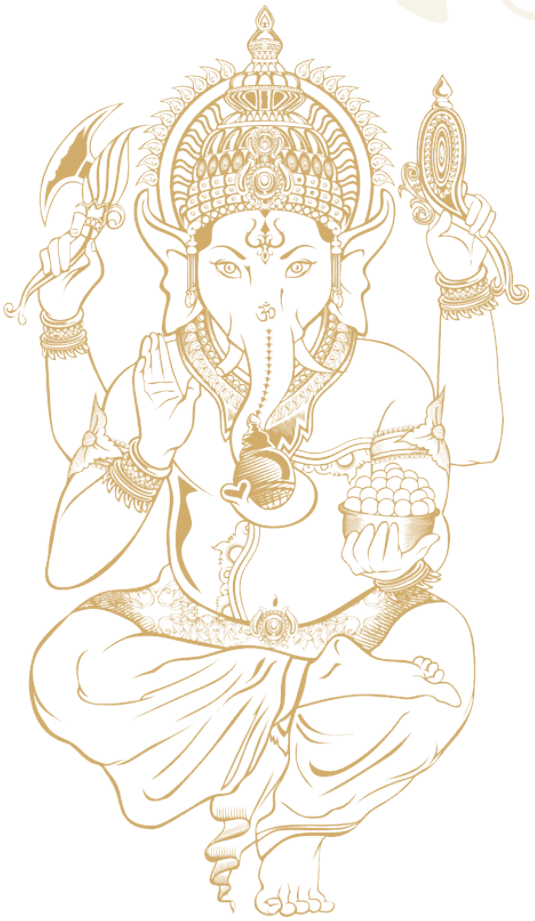

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121287701 Date: 15/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1999	जन्म तिथि	20/05/2000
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:25:00	जन्म समय	12:45:00 घंटे
घटी 30:57:57	जन्म समय(घटी)	18:22:00 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Bilaspur
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:49	सूर्योदय	05:24:06
18:41:53	सूर्यास्त	19:14:57
23:50:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:28

कुम्भ	लग्न	सिंह
शनि	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कर्क	राशि	वृश्चिक
चन्द्र	राशि-स्वामी	मंगल
पुष्य	नक्षत्र	ज्येष्ठा
शनि	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	4
वरियान	योग	सिद्ध
कौलव	करण	गर
हे-हेमन्त	जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	कीटक
मेष	योनि	मृग
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 13वर्ष 9मा 18दि		14:55:03	कुंभ	लग्न	सिंह	13:37:42	बुध 2वर्ष 9मा 8दि	
बुध		19:38:40	सिंह	सूर्य	वृष	05:43:06	शुक्र	
25/06/2013		06:58:56	कर्क	चंद्र	वृश्चि	27:49:30	27/02/2010	
25/06/2030		08:29:54	वृश्चि	मंगल	वृष	17:37:24	27/02/2030	
बुध	21/11/2015	17:40:40	सिंह	बुध	वृष	18:39:13	शुक्र	28/06/2013
केतु	18/11/2016	10:52:51	मेष व	गुरु	मेष	26:53:53	सूर्य	28/06/2014
शुक्र	19/09/2019	25:20:11	कर्क व	शुक्र	मेष	29:44:28	चन्द्र	27/02/2016
सूर्य	25/07/2020	23:16:56	मेष व	शनि	मेष	27:47:59	मंगल	28/04/2017
चन्द्र	24/12/2021	18:53:43	कर्क	राहु व	कर्क	02:05:11	राहु	28/04/2020
मंगल	22/12/2022	18:53:43	मक	केतु व	मक	02:05:11	गुरु	28/12/2022
राहु	10/07/2025	19:51:00	मक व	हर्ष	मक	26:57:22	शनि	27/02/2026
गुरु	16/10/2027	08:06:23	मक व	नेप व	मक	12:40:39	बुध	28/12/2028
शनि	25/06/2030	13:58:58	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:01:00	केतु	27/02/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:57 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:28

लग्न-चलित

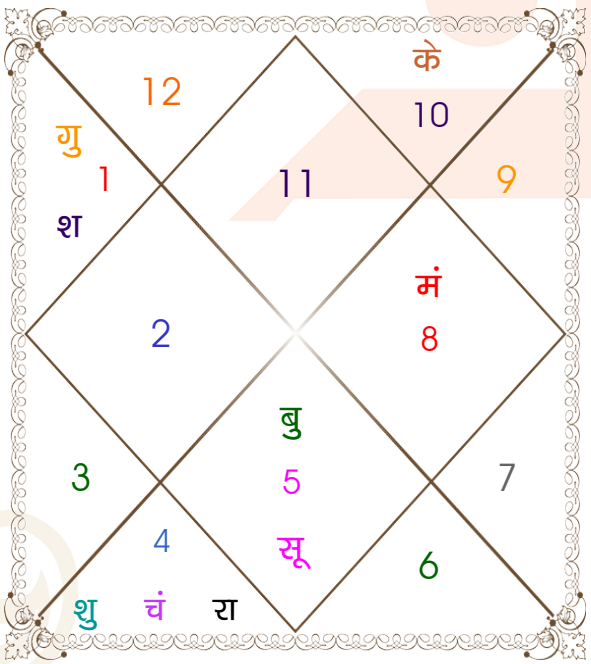

लग्न-चलित

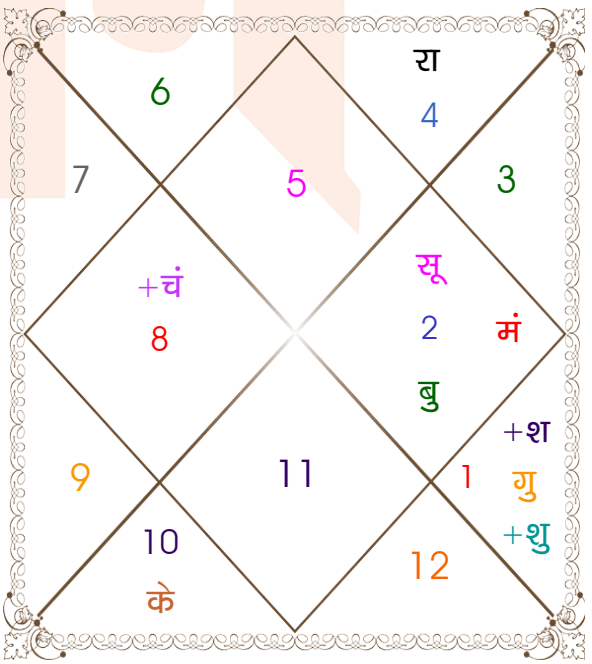

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

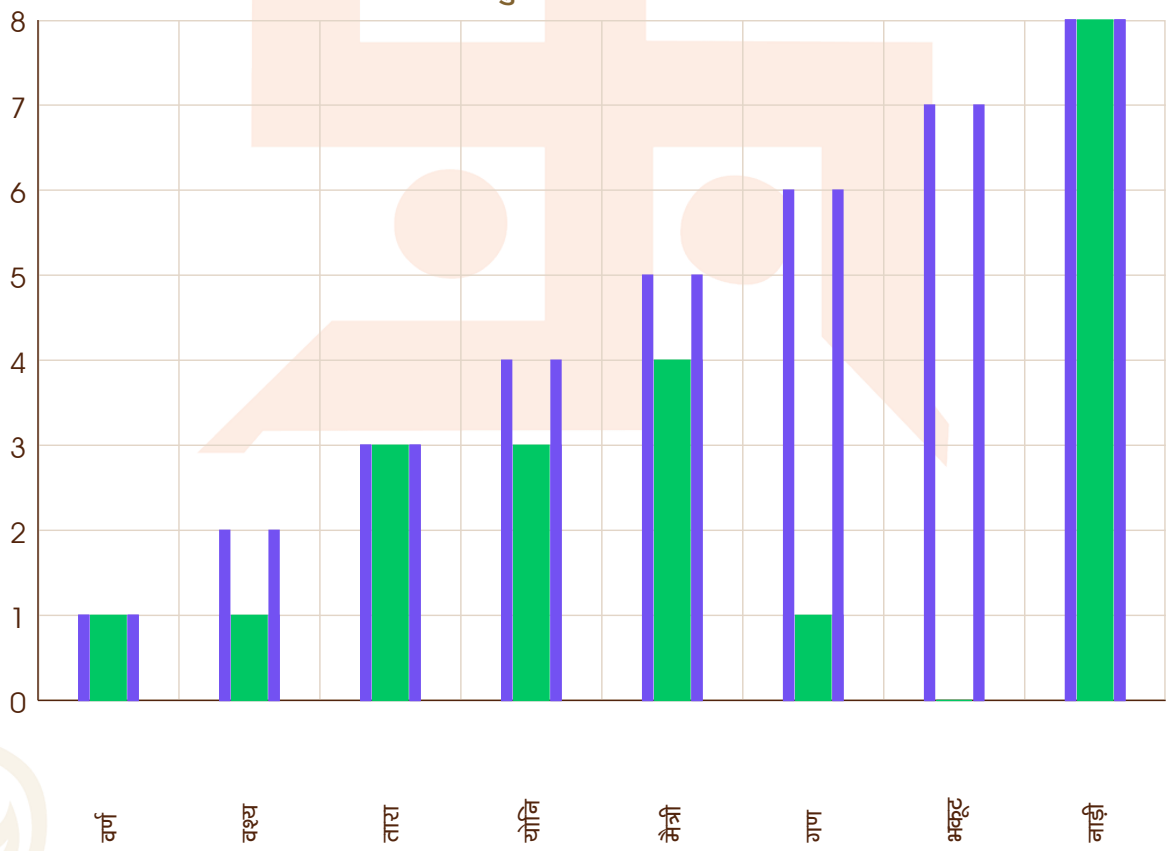

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनोa के राशि स्वामियोa मेa मित्रता है।

a का वर्ग मेष है तथा। का वर्ग मृग है। इन दोनोa वर्गोa मेa परस्पर ।म है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार a और। का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

a मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली मेa दशम् भाव मेa स्थित है।

। मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली मेa दशम् भाव मेa स्थित है।

a तथा। मेa मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवa मंगलीक दोष न होने के कारण दोनोa का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

a का वर्ण ब्राह्मण तथा । का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनोa के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवa नापसंद ।भी एक-समान होंगी। दोनोa एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवa अनुकूल ।बित होंगे तथा दोनोa हमेशा ।माजिक, व्यावसायिक एवa पारिवारिक उत्तरदायित्वोa के निर्वहन मेa एक-दूसरे की ।हायता करेंगे।

वश्य

a का वश्य जलचर है एवa । का वश्य कीट है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवa कीट वश्य न तो एक-दूसरे के मित्र होते हैa और न ही शत्रु होते हैं। अर्थात दोनोa एक-दूसरे के प्रति ।म होते हैं। जलचर a एवa कीट । के बीच वैवाहिक ।बंध होने पर दोनोa के बीच उदासीनता के ।थ-साथ प्रेम का अभाव भी बना रहेगा जिससे जीवन बिल्कुल नीरा हो ।कता है। अधिकतर ।मय दोनोa एक-दूसरे के बीच ।मझौता करके अपना जीवन यापन करते रहेंगे किंतु ।मय-समय पर जैसे डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है। उसी प्रकार a को हमेशा ।वधान रहना पड़ेगा अन्यथा उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ ।कता है।

तारा

a की तारा अतिमित्र तथा । की तारा ।म्पत है। अतः दोनोa की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवa परिवार के लिए चहुंमुखी ।मृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। ।थ ही दोनोa एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली ।बित होंगे। a हमेशा । के ।थ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवa प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवa सफल होंगे।

योनि

a की योनि मेष है तथा । की योनि मृग है। अर्थात दोनोa की योनि ।मान नहीa है। परन्तु इन दोनोa योनि के बीच मित्रता का ।बंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनोa के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवa पारिवारिक जीवन मेa सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनोa एक दूसरे को ।हयोग करेंगे। आपसी ।मझ एवa विश्वा। की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन मेa सभी कार्य आपसी ।हमति े। करेंगे एवa उनमेa सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन मेa अक्सर धन प्राप्ति के ुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये ोत बनेंगे तथा अच्छी आय के ।थ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार मेa सुख ।मृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवa सौहार्द्र की भावना के कारण दोनोa एकदूसरे के प्रति अपनापन महसू। करेंगे। परिवार मेa शांति का वातावरण बना रहेगा। ।थ ही ।भी मनोकामनाओa की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनोa से

उत्पन्न ांतानेa योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन मेa सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन मेa सफलता इनके कदम चूमेगी। इा प्रकार इनका वैवाहिक जीवन ाुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान मेa ग्रह मैत्री कूट मेa a का राशि स्वामी । के राशि स्वामी े ाम का ांबंध रखता है। जबकि । का राशिस्वामी a के राशिस्वामी के ााथ मित्रता का ांबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार े अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि े यदि एक ााथी के राशि स्वामी दूसरे ााथी के लिए ाम होa किंतु दूसरे ााथी के राशि स्वामी अपने ााथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते होa तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति मेa वैवाहिक ाुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवa समृद्धि े युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक ामझ, विश्वाा एवa सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनोa अपने घरेलू अथवा ाामाजिक दायित्वोa का निर्वहन ााथ मिलकर करते रहेंगे तथा ाभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

a का गण देव तथा । का गण राक्षा है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीa है। ऐसी परिस्थिति मेa । निर्दयी, निष्ठुर एवa क्रूर स्वभाव की हो ाकती हैa जो वर, उसके बच्चोa तथा परिवार के ादस्योa के लिए बुरा एवa घातक ााबित हो ाकता है। ऐसी पत्नी े अपेक्षा नहीa की जा ाकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा ाामाजिक दायित्वोa का अच्छी प्रकार े निर्वहन करेंगी।। की अक्सर दूसरोa से लड़ाई-झगड़ा करना एवa लोगोa को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

a से । की राशि पंचम भाव मेa स्थित है तथा । से a की राशि नवम भाव मेa स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीa है। क्योंकि इसमेa नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनोa के राशि स्वामियोa मेa परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा ाकती है किंतु भकूट मिलान मेa इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनोa के बीच ादैव ांघर्ष एवa लड़ाई-झगड़े होते रह ाकते हैं। जिसके कारण । को ांतानोत्पत्ति मेa भी ामस्या का ाामना करना पड़ ाकता है।

नाड़ी

a की नाड़ी मध्य है तथा । की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनोa की नाड़ी ामान नहीa है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि े दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवa मध्य नाड़ी का ामन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को ांतुलित करता है। तीनोa जीवनी शक्तियोa वात, पित्त एवa कफ का ांतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी ांतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवa स्वस्थ तथा बुद्धिमान ांतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

a की राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा । की राशि भी जलतत्व युक्त वृश्चिक है । दोनोa जलतत्व होने के कारण इनमेa स्वाभाविक ।मानता रहेगी तथा एक दूसरे को ।मझने तथा ।हयोग प्रदान करने मेa तत्पर होंगे फलतः मिलान अच्छा रहेगा।

a की राशि का स्वामी चन्द्र तथा । की राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्र एवa सम राशियोa मेa स्थित है। इसके प्रभाव े यद्यपि । यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी परन्तु a सदैव ।मंजस्य करने के लिए तत्पर रहेंगे। ।थ ही एक दूसरे के गुणोa की प्रशंसा तथा कमियोa की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर ंबधोंa मेa मधुरता मेa वृद्धि होगी तथा जीवन ुख एवa आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

a और । की राशियाa परस्पर पंचम-नवम भाव मेa पड़ती है। यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव े a और । के मध्य यदा कदा अंहकार का भाव उत्पन्न होगा जिससे ंबधोa मेa कटुता आएगी तथा परस्पर विवाद एवa विरोध भी रहेगा। ऐसी स्थिति मेa यदि a और । बुद्धिमता एवa सामंजस्य का परिचय देa तो उपरोक्त प्रभावोa मेa न्यूनता आ ।कती है जिससे वैवाहिक जीवन आनंदमय हो ।कता है।

a का वश्य जलचर एवa । का वश्य कीट है। नैसर्गिक रूप े कीट एवa जलचर मेa समता तथा मित्रता होती है। अतः इनकी अभिरूचियाa समान होगी एवa शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएa भी ।मान रहेगी। ।थ ही एक दूसरे की काम भावनाओa को शांत तथा ।न्तुष्ट करने मेa समर्थ रहेंगे जिससे आपसी ंबधोंa मेa प्रगाढ़ता रहेगी।

a और । दोनोa का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताएa समान रहेगी तथा शैक्षणिक धार्मिक एवa शास्त्रीय विषयोa की अध्ययन के प्रति रूचि रहेगी। फलतः कार्य क्षेत्र मेa स्वपरिश्रम एवa बुद्धि े उन्नति मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

धन

a का जन्म अतिमित्र तथा । का ।म्पत नामक तारा मेa हुआ है। इसके प्रभाव े । एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा । के शुभ प्रभाव े उनकी आर्थिक स्थिति मेa नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर ।म रहेगा। अतः स्वपरिश्रम े ही इच्छित धन एवa लाभ अर्जित करने मेa समर्थ रहेंगे। ।थ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इ प्रकार a और । आरामदायक जीवन व्यतीत करने मेa समर्थ होंगे।

a और । को लाटरी, ।ट्टे या अन्य ोतोa से अनाया धन प्राप्ति की ंभावना होगी। ।थ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक ंसाधनोa का वे उपभोग करने मेa सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने मेa समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

a की नाड़ी मध्य तथा । की नाड़ी आद्य है। अतः दोनोa का जन्म अलग अलग नाड़ियोa मेa होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव े अपने ।ंसारिक महत्व के शुभ एवa महत्वपूर्ण कार्यो को यथा ।मय ।म्पन्न करने मेa वे ।मर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा ।न्तुष्टि बनी रहेगी तथा ।मय भी ुख एवa प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। ।थ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनोa स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने मेa सफल होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि े a और । का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव े उन्हेa उचित ।मय पर ंतति की प्राप्ति होगी तथा इसमेa अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। ।थ ही बच्चोa के जन्म मेa भी ।मान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग े करने मेa आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त a और । के पुत्र एवa कन्या ंतति की ंख्या ।मान होगी।

प्रसव के विषय मेa । के मन मेa पहले े ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन । को इ विषय मेa किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा ।मान्य रूप े गर्भावस्था का ।मय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल मेa । को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा ुदंर स्वस्थ एवa आकर्षक बच्चोa को जन्म देने मेa सफल होंगी। ।थ ही स्वयa भी स्वस्थ एवa प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष े a और । सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र मेa अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता े उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। ।थ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमेa विद्य मान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य ।म्पन्न नहीं करेंगे। इ प्रकार a और । का पारिवारिक जीवन ुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

। के अपनी ।। से ।मान्यतया अच्छे ंबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर ।मंजस्य के द्वारा उनका ।माधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। ।थ ही । सा से अपनी माता के ।मान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी ेवा तथा ुख ुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ।सुर को प्रसन्न एवa सन्तुष्ट करने मेa । को काफी परेशानी तथा असुविधा का ।मना करना पड़ेगा। यदि । धैर्य, गंभीरता तथा ।मंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा मेa सहानुभूति प्राप्त हो ।कती है। देवर एवa ननदोa से । के ंबधोa मेa मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इ प्रकार ।मंजस्य एवa बुद्धिमता े ही । ससुराल मेa अनुकूल वातावरण प्राप्त कर ।कती है।

ससुराल-श्री

a के ।ा। के ।ाथ ।ामान्यतया अच्छे ही ।बध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन मेa सम्मान तथा आदर का भाव ।र्वदा विद्यमान रहेगा। ।ा। को वह माता के ।मान ।मझेंगे तथा वह भी उन्हेa पुत्रवत स्नेह तथा ।हयोग प्रदान करेंगी । ।ाथ ही a भी ।मय ।मय पर ।सुराल मेa आते जाते रहेंगे तथा आप। मेa श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ।सुर के ।ाथ मेa सामान्यतया ।बधोa मेa तनाव रहेगा तथा आयु मेa पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनोa सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करेa तो ।बधोa मेa मधुरता का भाव आ ।कता है। ।ाथ ही ।ाले एवa सालियोa से भी a के ।बध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवa सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवa प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इ। प्रकार ।सुराल पक्ष का दृष्टिकोण a के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।